तीनदिवसीय ‘गूंज महोत्सव’की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

18 दिसंबर, 2022 को झारखंड के राँची के सिल्ली में तीनदिवसीय ‘गूंज महोत्सव’की शुरुआत हुई, जिसका उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस द्वारा किया गया।

प्रमुख बिदु

- ‘गूंज महोत्सव’के उद्घाटन से पहले राज्यपाल रमेश बैस ने राँची के सिल्ली कॉलेज में उच्चस्तरीय लाइब्रेरी और स्टडी सेंटर का ऑनलाइन शुभारंभ किया। स्टडी सेंटर का संचालन झारखंड स्टेट ओपेन यूनिवर्सिटी द्वारा किया जाएगा।
- ‘गूंज महोत्सव’में एक साथ 5001 कलाकारों ने ‘छऊ नृत्य कार्निवाल’और 1500 युवाओं ने सांस्कृतिक प्रदर्शन किया।
- इस अवसर पर गूंज महोत्सव के संरक्षक सह विधायक सुदेश कुमार महतो ने बताया कि झारखंडी संस्कृति एवं परंपरा की विरासत का जतन करने की कोशिशों के साथ शुरू गूंज महोत्सव ने अपने यादगार सफर के साथ क्षेत्र के विकास और समाज के सशक्तीकरण में निर्णायक भूमिका अदा की है। इसके दारोमदार गूंज परिवार से 74 हज़ार परिवार जुड़े है।
- समारोह में शामिल इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सुब्रतो दास ने छऊ नृत्य को पारंपरिक नृत्य के तौर पर इस रिकॉर्ड्स में शामिल करने की घोषणा की, इसके साथ ही उन्होंने सुदेश कुमार महतो को रिकॉर्ड्स से जुड़ा मेडल पहनाया।
- गूंज महोत्सव के आयोजन स्थल सिल्ली स्टेडियम में ग्रामीण परिवेश की थीम पर सिल्ली हाट का निर्माण किया गया है। इस हाट में लगभग 100 स्टॉल लगाए गए हैं। एसएचजी से जुड़ी महिलाओं ने भी कई स्टॉल लगाए हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/three-day-goonj-mahotsav